www.PapaCambridge.com

UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8675/04**
9687/04

Paper 4 Texts

October/November 2005

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.
Dictionaries are not permitted.
You may take unannotated texts into the examination.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िएः

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या अपनी उत्तर-पुस्तिका के हर पृष्ठ पर लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की कलम का ही प्रयोग कीजिए और अपने उत्तर पृष्ठों के दोनो तरफ़ लिखिए।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद और करेक्शन फ़्लुइड का प्रयोग न करें।
शब्द-कोष का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग कर सकते हैं पर उसमें आपका कोई अपना आलेख नहीं होना चाहिए।
किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, हर प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुना जाना चाहिए।भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर, दिए गए परीक्षा पत्रों पर **हिन्दी** में ही लिखिए।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए बराबर-बराबर समय दें।
यदि आप एक से अधिक पृष्ठों का प्रयोग करते हैं तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें।

This document consists of **6** printed pages and **2** blank pages.

UNIVERSITY of CAMBRIDGE

www.PapaCambridge.com

भाग 1

1 तुलसी दास - श्रीरामचरितमानस

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) नीचे लिखी चौपाइयों में चित्रित चार प्रकार की पतिव्रता स्त्रियों के गुणों का वर्णन कीजिए।

(ii) पति के प्रतिकूल जाने वाली स्त्रियों का परिणाम क्या होता है ?

(iii) इस पद के आधार पर तत्कालीन सामाजिक और नैतिक मापदण्डों पर प्रकाश डालें।

[25]

जग पतिब्रता चारि बिधि अहहीं । बेद पुरान संत सब कहहीं ॥
उत्तम के अस बस मन माहीं । सपनेहुँ आन पुरुष जग नाहीं ॥६॥
मध्यम परपति देखइ कैसें । भ्राता पिता पुत्र निज जैसें ॥
धर्म बिचारि समुझि कुल रहई ।सो निकिष्ट त्रिय श्रुति अस कहई ॥७॥
बिनु अवसर भय तें रह जोई ।जानेहु अधम नारि जग सोई ॥
पति बंचक परपति रति करई । रौरव नरक कल्प सत परई ॥८॥
छन सुख लागि जनम सत कोटी । दुख न समुझ तेहि सम को खोटी ॥
बिनु श्रम नारि परम गति लहई । पतिब्रत धर्म छाड़ि छल गहई ॥९॥
पति प्रतिकूल जनम जँह जाई । बिधवा होइ पाइ तरुनाई ॥१०॥

सो. – सहज अपावनि नारि पति सेवत सुभ गति लहइ ।
जसु गावत श्रुति चारि अजहुँ तुलसिका हरिहि प्रिय ॥५ क॥

- **अरण्य काण्ड** (सीता-अनसूया सम्वाद)

या

(ख)

'सीता-अनसूया सम्वाद' की सहायता से तुलसीदास की नारी भावना और गोपियों के चरित्र चित्रण के आधार पर सूरदास की नारी भावना की तुलनात्मक विवेचना कीजिए ।

[25]

www.PapaCambridge.com

2 सूरदास - सूरसागर

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) नीचे लिखे पद में निरगुन और मधुकर शब्दों का प्रयोग किसके लिए और क्यों किया गया है?

(ii) 'इस पद में भक्ति के एक मार्ग का खण्डन और दूसरे का अनुमोदन किया गया है,' इस कथन की पुष्टि करते हुए इस पद की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए । [25]

निरगुन कौन देश को बासी ?
मधुकर कहि समुझाइ सौह दै, बूझति साँच न हाँसी ॥
को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, कौ दासी ?
कैसो बरन, भेष है कैसो, किहि रस मैं अभिलाषी ॥
पावैगौ पुनि कियौ आपनौ, जो रे करैगौ गाँसी ।
सुनत मौन ह्वै रह्यौ बावरौ, 'सूर' सबै मति नासी ॥४२४९/३६३१॥

'सूर-सागर'

या

(ख) उद्धव अभिमानपूर्वक गोपियों को क्या देने गए थे और वहाँ से उन्हें आँखें झुकाए गद्‌गद्‌ हृदय से क्या लेकर लौटना पड़ा? उपर्युक्त पद के आधार पर अपना उत्तर लिखिए । [25]

www.PapaCambridge.com

3 **वाचस्पति पाठक** - प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित पद्य के रचयिता कौन हैं ?

(ii) यह किस परम्परा की कविता है और यह कविता उस परम्परा को कैसे प्रतिबिम्बित करती है?

(iii) कविता की संक्षिप्त व्याख्या, भाषा-शैली का उल्लेख करते हुए कीजिए ।

[25]

बीती विभावरी जाग री !
अम्बर पनघट पर डुबो रही
तारा-घट ऊषा नागरी !

खग-कुल कुल-कुल सा बोल रहा,
किसलय का अञ्चल डोल रहा !
लो, यह लतिका भी भर लायी
मधु मुकुल नवल रस-गागरी !

अधरों में राग अमन्द पिये;
अलकों में मलयज बन्द किए,
तू अब तक सोयी है आली !
आँखों में भरे विहाग री !

-जाग री-

या

(ख)

जयशंकर प्रसाद की कविताओं के भाव सौन्दर्य और भाषा-शैली की विवेचना कीजिए ।

[25]

www.PapaCambridge.com

4

मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) 'उद्बोधन' कविता का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए ।

(ii) इस कविता की भाषा-शैली और मूल-भावना पर टिप्पणी कीजिए। [25]

उद्बोधन

पुरुषत्व दिखलाओ पुरुष हो, बुद्धि-बल से काम लो,
तब तक न थककर तुम कभी अवकाश या विश्राम लो-
जब तक कि भारत पूर्व के पद पर न पुनरासीन हो,
फिर ज्ञान में, विज्ञान में, जब तक न वह स्वाधीन हो ॥८०॥

निज धर्म्म का पालन करो, चारों फलों की प्राप्ति हो,
दुख-दाह, आधि-व्याधि सबकी एक साथ समाप्ति हो ।
ऊपर कि नीचे एक भी सुर है नहीं ऐसा कहीं-
सत्कर्म में रत देख तुमको जो सहायक हो नहीं ॥८१ ॥

देखो, तुम्हें पूर्वज तुम्हारे देखते हैं स्वर्ग से,
करते रहे जो लोक का हित उच्च आत्मोसर्ग से ।
है दुख उन्हें अब स्वर्ग में भी पतित देख तुम्हें अरे !
सन्तान हो तुम उन्हीं की, राम ! राम ! हरे हरे ॥ ८२ ॥

अब तो विदा कर दुर्गुणों को सद्गुणों को स्थान दो,
खोया समय यों ही बहुत अब तो उसे सम्मान दो ।
चिरकाल तिमरावृत्त रहे, आलोक का भी स्वाद लो,
हो योग्य सन्तति, पूर्वजों से दिव्य आशीर्वाद लो ॥ ८३ ॥

जग को दिखा दो यह कि अब भी हम सजीव, सशक्त हैं,
रखते अभी तक नाड़ियों में पूर्वजों का रक्त हैं ।
ऐसा नहीं कि मनुष्यरूपी और कोई जन्तु है,
अब भी हमारे मस्तकों में ज्ञान के कुछ तन्तु हैं ।

भारत-भारती-उद्बोधन-भविष्यत खण्ड

या

(ख) 'मैथिलीशरण गुप्त आधुनिक युग के प्रथम चरण के राष्ट्रीय कवि हैं जो अपने देश, जाति और प्राचीन मूल्यों पर गर्व रखते हुए आधुनिक प्रगति का सहर्ष स्वागत करते हैं । भारत-भारती में संकलित 'आदर्श' और 'स्त्रियाँ' (अतीत खण्ड) तथा 'उद्बोधन' (भविष्यत् खण्ड) कविताएँ मैथिलीशरण गुप्त की इन्हीं भावनाओं का प्रकाशन करती हैं ।' उदाहरणों के साथ कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

www.PapaCambridge.com

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए ।

5 प्रेमचन्द - 'निर्मला'

(क) 'निर्मला' उपन्यास की भाषा शैली सरल प्रवाहपूर्ण और सक्षम है । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

या

(ख) प्रेमचन्द एक उद्देश्य-प्रधान उपन्यासकार हैं ।-'निर्मला' उपन्यास के आधार पर स्पष्ट कीजिए । [25]

6 जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'

(क) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानी 'डाची' की मूल भावना क्या है और कथाकार ने उसका निर्वाह कैसे किया है?

या

(ख) ' विद्यार्थी, परीक्षा में फ़ेल होकर रोते हैं, सर्वदयाल पास होकर रोए।' सुदर्शन की कहानी 'सच का सौदा' की इस प्रथम पंक्ति में ही कहानी का पूरा सार छुपा है?' इस कथन की पुष्टि करते हुए कहानी की मूल भावना पर प्रकाश डालिए। [25]

7 जयशंकर प्रसाद - 'ध्रुवस्वामिनी'

(क) ' जयशंकर प्रसाद के 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में एक प्राचीन कहानी के माध्यम से एक आधुनिक समस्या की विवेचना की गयी है ।' क्या आप इस कथन से सहमत है? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

या

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में किन मूल समस्याओं का चित्रण हुआ है? नाटक से उदाहरण देते हुए नाटक के मूल तत्वों का वर्णन कीजिए । [25]

8 अभिमन्यु अनत - 'शब्द भंग'

(क) अभिमन्यु अनत के 'शब्द भंग' उपन्यास में रॉबिन की समस्याओं के लिए कौन-कौन उत्तरदायी है? उदाहरणों के साथ अपना उत्तर लिखिए।

या

(ख) 'शब्द भंग' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए । [25]

BLANK PAGE

www.PapaCambridge.com

www.PapaCambridge.com

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.